संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 । अंक-34 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 20 जनवरी 2026 से 26 जनवरी 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

RTI कानून तोड़ रहा 'दम'

अधिकारियों की सुस्ती या भ्रष्टाचारियों का खम

अधीक्षण यंत्री की 'शाही सुस्ती'

और फोन पर 'अक्खड़' मिजाज, कानून गया तेल लेने..!

संतोष कुमार गुप्ता

अधीक्षण यंत्री उज्जैन नगर निगम

SPECIAL REPORT

✍ नवीन गलकर

उज्जैन। कहने को तो नगर पालिका निगम उज्जैन डिजिटल और पारदर्शी होने के दावे करता है, लेकिन धरातल पर सूचना का अधिकार कानून यहाँ के जिम्मेदारों की फाइलों में दबकर रह गया है। ताजा मामला नगर निगम के कार्यप्रणाली और अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना रवैये को उजागर करता है, यहाँ 'सूचना का अधिकार' को अधिकारियों ने अपनी सुविधानुसार 'सूचना का तिरस्कार' बना दिया है।

आवेदक ने 17 नवंबर 2025 को नगर निगम में RTI आवेदन लगाया था। इसके जवाब में 24 नवंबर को सहायक आयुक्त (नोडल अधिकारी SBM) ने अधीक्षण यंत्री को पत्र लिखकर समयसीमा में जानकारी देने का निर्देश दिया। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि अधीक्षण यंत्री इस फाइल पर करीब दो महीने तक कुंडली मारकर बैठे रहे। पूरा मामला व्यवस्था के मुंह पर तमाचा है। 17 नवंबर को आवेदन लगा, 24 नवंबर को ऊपर से आदेश भी आ गया कि जानकारी दे दो। लेकिन अधीक्षण यंत्री महोदय शायद किसी गहरी तपस्या में थे, या फिर साहब खुद को निगम का 'सुल्तान' समझ बैठे हैं। जब आवेदक ने बार-बार फोन कर याद दिलाया, तो फोन पर मधुर व्यवहार की उम्मीद पालना बेकार था, क्योंकि यहाँ कुर्सी का गुरूर कानून से बड़ा नजर आता है। संतोषजनक जवाब देने के बजाय अधीक्षण यंत्री का रवैया नकारात्मक रहा। दबाव बढ़ने पर साहब ने गेंद झोन क्रमांक 1 से 6 के कार्यपालन यंत्रियों के पाले में डाल दी। आखिरकार 19 जनवरी 2026 को साहब की नींद खुली और उन्होंने झोन 1 से 6 के कार्यपालन यंत्रियों को पत्र लिख दिया। अगर समय सीमा मायने नहीं रखती, तो इस कानून की किताब को शिप्रा नदी में प्रवाहित क्यों नहीं कर देते ? जो काम 7 दिनों में हो सकता था, उसके लिए लगभग दो महीने का 'चिंतन-मनन' किया गया। अधीक्षण यंत्री ने 19 जनवरी को जो पत्र झोन कार्यालयों को लिखा, वह केवल अपनी गर्दन बचाने का एक घटिया नाटक है। सवाल यह है कि दो महीने तक साहब कौन सी कुंभकर्णी नींद सो रहे थे? क्या जनता के टैक्स से मोटी तनख्वाह इसलिए दी जाती है कि वे जनता को ही आँखें दिखाएं और कानून का मजाक उड़ाएं ? यह महज सुस्ती है या फाइलों में कैद किसी बड़े सच को बचाने की नाकाम कोशिश ? कानून की धज्जियां उड़ाना बंद करें 'साहब'!

अपील भी डस्टबिन में! क्या कुछ बड़ा 'घोटाला' दबा रही है निगम?

30 दिनों में जानकारी न मिलने पर आवेदक ने 25 दिसंबर 2025 को 'प्रथम अपील' का दरवाजा खटखटाया। शायद बड़े साहब छोटे साहब की क्लास लेंगे। लेकिन यहाँ तो 'ऊपर से नीचे तक' सब मौन व्रत पर हैं। न कोई सुनवाई, न कोई जवाब। ऐसा लगता है जैसे निगम में RTI के पत्रों का उपयोग सिर्फ चाय के समोसे रखने के लिए किया जा रहा है। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि जानकारी देने में अफसरों के पसीने छूट रहे हैं ? क्या झोन 1 से 6 के बीच फाइलों में कोई ऐसा काला सच छिपा है, जिसे उजागर होने से अधीक्षण यंत्री और उनकी टीम बचा रही है?

न प्रवेष्टुं शक्यं न च निर्गन्तुं
न च स्थितं न च ज्ञातं,
यदर्थं भक्षयन्ति भक्षितं वा
निर्वमन्ति।

अर्थः जैसे यह जानना कठिन है कि एक मछली कब और कितना पानी पीती है, उसी तरह यह जानना अत्यंत कठिन है कि कोई सरकारी अधिकारी अपने कार्यकाल में कितना धन चुरा लेता है।

सुविचार

समय और समझ दोनों एक साथ बस किस्मत वालों को ही मिलते है, क्योकि अक्सर समय पर समझ नहीं आती और समझ आने पर समय निकल जाता है।

संपादकीय

साइबर असुरक्षा सबसे बड़ा खतरा

विश्व आर्थिक मंच ने दावोस वार्षिक सम्मेलन से पहले जारी सालाना '2026 ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट' में साइबर असुरक्षा को भारत में सबसे बड़ा खतरा बताया है, जो चिंता की बात है. यह रिपोर्ट दुनियाभर के 1,300 से अधिक विशेषज्ञों के विचारों पर आधारित है, जिसमें वैश्विक स्तर पर मौजूदा अल्पकालिक और दीर्घकालिक जोखिमों का विश्लेषण किया गया है. रिपोर्ट कहती है कि नये प्रतिस्पर्धी युग में भू-राजनीतिक और आर्थिक जोखिम लगातार बढ़ रहे हैं. इसमें भू-आर्थिक टकराव को 2026 का सबसे बड़ा जोखिम बताया गया है. यह टकराव, जिसमें देश व्यापार प्रतिबंध जैसे आर्थिक साधनों का लाभ उठाते हैं, आठ अंक ऊपर चढ़ गया है. भू-आर्थिक टकराव के अलावा राष्ट्रों के बीच सशस्त्र टकराव, चरम मौसम, सामाजिक ध्रुवीकरण और गलत व भ्रामक सूचनाएं भी इस वर्ष के प्रमुख वैश्विक जोखिमों में शामिल हैं. रिपोर्ट में साइबर असुरक्षा को भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया है. यह खतरा आय असमानता, अपर्याप्त सार्वजनिक सेवाओं, संभावित आर्थिक मंदी और राज्य आधारित सशस्त्र संघर्षों की चिंताओं से बढ़ जाता है. इन जोखिमों से निपटने के लिए मजबूत डिजिटल और आर्थिक परिवर्तन विकसित करना, असमानता को एक व्यापक जोखिम के रूप में देखना, बहुआयामी खतरे (हाइब्रिड थ्रेट) तथा दुष्प्रचार का मुकाबला करना एवं जलवायु परिवर्तन को भारत की दीर्घकालिक विकास एवं सुरक्षा रणनीति में समाहित करना आवश्यक है. वैश्विक स्तर पर भी तकनीकी जोखिमों में वृद्धि देखी जा रही है, जिनमें भ्रामक सूचना और दुष्प्रचार दुनियाभर में पांचवें स्थान पर है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं तथा सामाजिक विश्वास पर बढ़ते खतरे को दर्शाता है. साथ ही, एआइ तकनीकों के नकारात्मक प्रभाव अब वैश्विक शीर्ष जोखिमों में शामिल हो गये हैं, जो रोजगार में कमी, नैतिक दुरुपयोग और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों की बढ़ती चिंताओं को दर्शाते हैं. वैश्विक सुरक्षा जोखिमों में साइबर सुरक्षा नौवें स्थान पर है, जो यह दर्शाता है कि अर्थव्यवस्थाएं और शासन प्रणाली जैसे-जैसे डिजिटल होती जा रही हैं, वैसे-वैसे उनकी डिजिटल संवेदनशीलता भी बढ़ रही है.

आपका अपना विश्वसनीय अखबार...
हमेशा आपके साथ
संभाग पोस्ट
आप हमसे अपनी समस्याओं को सांझा कर सकते हैं
बगैर किसी खौफ के विडियो, फोटो,
दस्तावेज के माध्यम से हमारे वाट्सअप नम्बर पर
और संभाग पोस्ट के पाठक सदस्य भी बन सकते हैं...
एक वर्ष की सदस्यता लेने पर
अखबार फ्री... तीन विज्ञापन फ्री...
पाठक सदस्यता आईडी कार्ड फ्री...
न्यूज चैनल पर एक एड फ्री....
सम्पर्क 9009919948

दे.अ.वि में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित रहे डॉ. पुनीत द्विवेदी

इंदौर । संभाग पोस्ट

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' कार्यक्रम ने न केवल तकनीकी प्रगति का जश्न मनाया, बल्कि युवा उद्यमियों को प्रेरित करने और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में उनके संभावित योगदान की व्याख्या करने का एक अनूठा मंच प्रदान किया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस ऐंड आई.टी एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ (दुआ) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे प्रो. डॉ. पुनीत द्विवेदी, जो कि एक प्रख्यात स्टार्टअप मेंटर एवं ऑक्सफोर्ड-इंदौर इंटरनैशनल शिक्षा समूह के समूह निदेशक हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. उग्रसेन सुमन के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने इस महत्वपूर्ण दिन के महत्व को रेखांकित किया। प्रो. माया इंगले (अध्यक्ष-दुआ) की अध्यक्षता में, कार्यक्रम संपन्न हुआ। डॉ. माया ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत की, जिससे विद्यार्थियों के मन में उत्साह का संचार हुआ।

मुख्य वक्ता डॉ. पुनीत द्विवेदी ने स्टार्टअप्स के विकास में भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र की उपलब्धियों और संभावनाओं को उजागर करते हुए विद्यार्थियों को स्टार्टअप के सफल गुर सिखाए। उनका प्रयास केवल ज्ञान साझा करना नहीं था, बल्कि उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय स्टार्टअप क्षेत्र की विविधता और गहराई को समझाने का भी प्रयास किया। डॉ. पुनीत ने इंदौर के स्थानीय इंक्यूबेशन सेंटरों का दौरा करने की सलाह दी, ताकि छात्र अपने विचारों को आकार देने और अपने उद्यमशीलता कौशल को विकसित करने का अवसर प्राप्त कर सकें। डॉ. द्विवेदी ने खासकर एग्रीटेक, फिनटेक, हेल्थकेयर और डिफेंस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में प्रस्तुत अवसरों की चर्चा की। इन क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों ने विद्यार्थियों के मन में एक नई आशा भर दी। उन्होंने द्रोणटेक के माध्यम से डिफेंस टेक के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को इतने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में करियर बनाने के अवसरों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में, डॉ. द्विवेदी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देकर, उनके समर्पण और जिज्ञासा को और प्रोत्साहित किया। इस संवादात्मक सत्र ने छात्रों को यह विश्वास दिलाया कि वे अपने विचारों के साथ आगे बढ़ सकते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। विद्यार्थियों की उपस्थिति और उत्साह दर्शाता है कि वे अपने भविष्य के प्रति कितने गंभीर हैं। प्रो. माया इंगले के आभार ज्ञापन के साथ 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' कार्यक्रम का समापन हुआ; इसने सभी प्रतिभागियों को नई सोच और दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम ने युवा उद्यमियों के मन में विश्वास जगाया और उन्हें अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए उत्साहित किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो0 संजय तनवानी, संस्थान के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जेकेए विंटर ट्रेनिंग कैंप २०२६ राज्य के कराटे इतिहास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध हुआ

इंदौर । संभाग पोस्ट

JKAWF इंडिया मध्य प्रदेश के सचिव आकाश शर्मा सेंसई ने जानकारी दी कि जेकेए विंटर ट्रेनिंग कैंप 2026 राज्य के कराटे इतिहास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध हुआ है। यह शिविर कई दृष्टियों से विशेष रहा, क्योंकि यह पहला अवसर था जब पूर्व जेकेए वर्ल्ड चैंपियन एवं जापान कराटे एसोसिएशन (JKA), टोक्यो, जापान की अत्यंत प्रतिष्ठित वरिष्ठ प्रशिक्षक युको हिरायामा शिहान का मध्य प्रदेश आगमन हुआ। यह युको हिरायामा शिहान की मध्य प्रदेश की प्रथम यात्रा थी, जिसने इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। उनके आगमन से प्रदेश के विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों एवं कराटे प्रेमियों को विश्व-प्रसिद्ध जापानी कराटे गुरु से प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्राप्त करने का दुर्लभ अवसर मिला। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर ने पारंपरिक जापानी कराटे की शुद्ध तकनीक, अनुशासन एवं दर्शन को निकट से समझने का मंच प्रदान किया।

शिविर में सोमनाथ पालचौधरी सेंसई (चेयरमैन, JKAWF इंडिया), अरिंदम सिकदार सेंसई (टेक्निकल कमेटी सदस्य, JKAWF इंडिया) तथा सोहम केंजी पालचौधरी सेंसई (जेकेए इंडिया टीम सदस्य) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन वरिष्ठ प्रशिक्षकों की उपस्थिति से शिविर का तकनीकी एवं शैक्षणिक स्तर और अधिक सुदृढ़ हुआ।

प्रशिक्षण सत्रों के दौरान हिरायामा शिहान ने कराटे की गहन एवं उन्नत तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बॉडी मैकेनिज़्म, संतुलन, श्वसन नियंत्रण, सही टाइमिंग, ऊर्जा के कुशल उपयोग तथा मानसिक अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। उनके सत्रों में किहोन, काता एवं कुमिते के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कराटे केवल शारीरिक कौशल नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन, चरित्र निर्माण और मानसिक दृढ़ता का मार्ग है। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि 'कराटे एक खेल नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और जीवन शैली है।'

शिविर के समापन पर आकाश शर्मा सेंसई ने बताया कि इस आयोजन को विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अत्यंत सकारात्मक एवं उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। प्रतिभागियों ने न केवल तकनीकी रूप से स्वयं को समृद्ध महसूस किया, बल्कि कराटे के पारंपरिक मूल्यों और दर्शन को भी गहराई से समझा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह शिविर मध्य प्रदेश में पारंपरिक जापानी कराटे के विकास को नई दिशा देगा और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कुल मिलाकर, जेकेए विंटर ट्रेनिंग कैंप 2026 ने मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कराटे मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

चार महत्वपूर्ण फ्लाईओवर्स का निर्माण जून तक होगा पूरा

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने किया अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण-गुणवत्ता के साथ आगामी जून तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

इंदौर। संभाग पोस्ट

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज इंदौर शहर में निर्माणाधीन चार प्रमुख फ्लाईओवरों का मौके पर पहुँचकर निरीक्षण किया और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी फ्लाईओवर आगामी जून माह तक पूर्ण किए जाएं तथा निर्माण में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, एसडीएम श्री प्रदीप सोनी, अपर आयुक्त नगर निगम श्री अभय राजनगांवकर सहित ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम, प्रशासन, निर्माण एजेंसी एमपीआरडीसी और अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निरीक्षण के दौरान देवास नाका, सत्य साईं चौराहा, मूसाखेड़ी, और क्रिस्टल आईटीआई पार्क चौराहा पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर के निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की । कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि ये सभी फ्लाईओवर्स शहर की यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके पूर्ण होने से नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

बैठक में निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं, छोटे-छोटे रिमूवल (अतिक्रमण/संरचनाएं हटाने), वैकल्पिक व्यवस्थाओं और समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने की रणनीति पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि नागरिकों की सुविधा सर्वोपरि है। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। ट्रैफिक संचालन के लिए गार्ड तैनात किए जाएं, ताकि यातायात सुचारु रहे। धूल उड़ने से रोकने के लिए नेटिंग और आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं। सर्विस लेन पर पैच रिपेयरिंग और डामरीकरण कर ट्रैफिक को सुचारू बनाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य भले ही वर्तमान में समय-सीमा से पीछे चल रहा हो, लेकिन प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ इसे तेजी से पूरा करने के लिए प्रयासरत है। आने वाले दिनों में नियमित समीक्षा कर प्रगति की निगरानी की जाएगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि चारों फ्लाईओवरों में मुख्य बाधाएं छोटी-छोटी रिमूवल और वैकल्पिक स्थान व्यवस्था से जुड़ी हैं। इन सभी बिंदुओं पर निर्णय लिए गए हैं और जैसे ही ये बाधाएं हटेंगी, कार्यों में तेजी आएगी। उन्होंने मूसाखेड़ी चौराहा पार करने के लिए पैदल नागरिकों के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माणाधीन फ्लाईओवर के सर्विस रोड़ पर पर्याप्त लाईटिंग भी की जाए। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि जून माह तक ये सभी फ्लाईओवर्स का निर्माण पूर्ण हों। निर्देश दिए गए है कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं हो। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि नागरिकों को कम से कम असुविधा हो, यह हमारी प्राथमिकता है। प्रशासन इंदौर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है।

बीआरटीएस नहीं हटने पर सुनवाई

कोर्ट ने कहा- काम नहीं करने पर ठेकेदार पर लगाए पेनल्टी

इंदौर। संभाग पोस्ट

दस माह पहले दिए गए बीआरटीएस हटाने के आदेश का पालन करने में नाकाम नगर निगम के अफसरों को कोर्ट के कड़े रुख का सामना करना पड़ा। कोर्ट ने अफसरों की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अब लोगों की परेशानियों को और बढ़ने नहीं दिए जाएगा। अफसर एक दूसरे विभागों पर जिम्मेदारी थोप कर बहानेबाजी से नहीं बच सकते है। कोर्ट ने कहा कि यदि ठेकेदार तय समय में काम पूरा नहीं करता है तो नगर निगम पर भी जुर्माना लगाया जाए। इंदौर बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने के मामले में सोमवार को हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी के सुनवाई हुई। कोर्ट ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा बीआरटीएस की बहानेबाजी करना अब नहीं चलेगा। आखिर क्या वजह है कि बीआरटीएस दस माह बाद भी नहीं हट पाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अफसर अपना काम सही तरीके से नहीं कर रहे है। उन्हें शहरवासियों की परेशानी की चिंता भी नहीं है। इस बार सुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा, निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कोर्ट के समक्ष अफसरों ने कहा कि शहर विकास की के लिए आयोजित बैठक में एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने पर चर्चा हुई। इस कारण एक तरफ रैलिंग रखना सुरक्षित है, ताकि हादसे न हो।

याचिकाकर्ता की तरफ से पक्ष रखते हुए सीनियर एडवोकेट अजय बगाडिया ने कहा कि बीआरटीएस को हटाने का निर्णय खुद सरकार ने लिया था, लेकिन एक साल से मामला लटका हुआ है। अब एलिवेटेड कॉरिडोर का बहाना बनाकर हाई कोर्ट के पुराने आदेशों का उल्लंघन किया जा रहा है और बस स्टॉप व रैलिंग हटाने में जानबूझकर देरी की जा रही है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि जो एलिवेटेड कॉरिडोर सात साल पहले मंजूर हुआ था, उसका शिलान्यास वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस काम नहीं दिखा। कोर्ट ने अगली सुनवाई 28 जनवरी को तय की है।

इंदौर का 'करोड़पति भिखारी' निकला उधार वसूलने वाला!

प्रशासन के दावे पर परिवार का बड़ा पलटवार

इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने के अभियान के तहत हाल ही में रेस्क्यू किए गए मांगीलाल का मामला अब विवादों में घिर गया है। प्रशासन ने मांगीलाल को एक करोड़पति भिखारी माना था, लेकिन अब उनके परिजनों ने सामने आकर इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। परिजनों का कहना है कि मांगीलाल कोई भिखारी नहीं हैं, बल्कि सराफा बाजार में वह अपने उधार दिए गए पैसे वसूलने जाते थे।

परिजनों ने संपत्ति के दावों को बताया भ्रामक

प्रशासन द्वारा दावा किया गया था कि मांगीलाल के पास तीन मकान, तीन ऑटो-रिक्शा और एक निजी कार है। इस पर मांगीलाल के भतीजे ने स्पष्ट किया है कि जिस तीन मंजिला इमारत का जिक्र किया जा रहा है, वह असल में उनकी मां के नाम पर पंजीकृत है। भतीजे के अनुसार, इस मकान पर लिए गए ऋण की किस्तें वे स्वयं भरते हैं और उनके पास इसके पुख्ता कानूनी दस्तावेज मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य संपत्तियों को लेकर जो जानकारी फैलाई गई है, वह तथ्यात्मक रूप से गलत है।

भीख मांगने नहीं उधार वसूलने का काम करता है मांगीलाल

परिजनों के मुताबिक, मांगीलाल पूर्व में राजमिस्त्री का कार्य करते थे, लेकिन कुष्ठ रोग के कारण शारीरिक अक्षमता आने पर उन्होंने काम छोड़ दिया। भतीजे ने बताया कि मांगीलाल बुलियन मार्केट के छोटे व्यापारियों और श्रमिकों को पैसे उधार देते थे। जिस समय उन्हें रेस्क्यू किया गया, वे सराफा बाजार में अपनी उधारी वसूलने ही गए थे। शारीरिक कमजोरी के कारण वे पहियों वाले तख्ते का उपयोग करते हैं, जिसे देखकर लोगों ने उन्हें भिखारी समझ लिया और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर गलत संदर्भ में प्रसारित कर दी गईं।

प्रशासन और एनजीओ के अलग-अलग दावे

भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के अधिकारियों का कहना है कि मांगीलाल वर्ष 2021 से इस गतिविधि में लिप्त थे और उन्होंने बाजार में लाखों रुपये ब्याज पर दे रखे हैं। वहीं, इस क्षेत्र में कार्यरत एनजीओ 'प्रवेश' की अध्यक्ष रूपाली जैन का मानना है कि मांगीलाल की पूरी संपत्ति को भीख से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि बीमारी और सामाजिक तिरस्कार के कारण मांगीलाल की स्थिति दयनीय हुई है। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने इस मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है और कहा है कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही कोई कानूनी कदम उठाया जाएगा।

श्री एकाक्ष सामाजिक सेवा संस्था द्वारा निस्वार्थ सेवा की मिसाल

लावारिस मृतक का पूर्ण विधि-विधान से अंतिम संस्कार, जरूरतमंद परिवार को भी सहयोग

इंदौर। नगर प्रतिनिधि

उज्जैन निवासी रईस भाई के अनुसार, कई वर्षों से एक व्यक्ति उज्जैन के एक डेरे में निवासरत था तथा बाद में वह रफीक भाई की दुकान पर लंबे समय तक कार्यरत रहा। हाल ही में शराब के नशे की हालत में दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर उसे उज्जैन से इंदौर रेफर किया गया, जहां इंदौर के एमवाय हॉस्पिटल में उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतक के परिजन अथवा पहचान संबंधी कोई जानकारी उपलब्ध न होने पर दुकान संचालकों एवं उसके साथियों ने इंदौर की निस्वार्थ सेवा में समर्पित श्री एकाक्ष सामाजिक सेवा संस्था से संपर्क कर, मृतक का हिन्दू धर्मानुसार पूर्ण विधि-विधान से अंतिम संस्कार कराने का आग्रह किया। संस्था के पदाधिकारियों नरेंद्र वर्मा, सुनील ठाकुर, सन्नी जैसवाल, रामगोपाल श्रीवास्तव,हर्षल चौहान, हिमांशु सक्सेना एवं उनके साथियों द्वारा जूनी इंदौर मुक्तिधाम में मृतक का विधिवत अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। इसी क्रम में मां वैष्णो देवी भक्त मंडल के धर्मेंद्र जोशी द्वारा सूचना दी गई कि जुना पीठा क्षेत्र के एक जरूरतमंद परिवार में मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार हेतु पंचकुइया मुक्तिधाम में लकड़ी एवं कंडों की आवश्यकता थी। इस पर श्री एकाक्ष सामाजिक सेवा संस्था द्वारा सहयोग राशि प्रदान कर अंतिम संस्कार में सहायता की गई। इन दोनों मानवीय कार्यों के माध्यम से श्री एकाक्ष सामाजिक सेवा संस्था ने मानवता, करुणा और निस्वार्थ सेवा की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत करते हुए समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण स्थापित किया।

मध्यांचल उत्सव-2026 का शुभारंभ: सीएम डॉ. मोहन यादव बोले-युवाओं को सक्षम बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

भोपाल । संभाग पोस्ट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के शंकर लाल सभागार में मध्यप्रदेश के अध्ययनरत छात्रों के संगठन मध्यांचल स्टूडेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित मध्यांचल उत्सव-2026 के शुभारंभ अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की यह भविष्यवाणी कि 21वीं सदी भारत की होगी, आज यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होती दिखाई दे रही है। भारत ने प्रत्येक वैश्विक मंच पर अपनी साख स्थापित की है और प्रधानमंत्री मोदी विश्व के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हैं। भारत आज नैतिक ताकत के आधार पर विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा लोकतांत्रिक देश है और प्रधानमंत्री मोदी प्रभावी रूप से इस युवा लोकतंत्र का नेतृत्व कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के कोने-कोने से आए युवा आज दिल्ली में संगठित होकर अध्ययन कर रहे हैं, यह प्रदेश के लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है।

युवाओं को सक्षम बनाना सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल है जहां बेरोजगारी की दर सबसे कम है। राज्य सरकार हर कदम पर युवाओं के साथ खड़ी है और युवाओं को सक्षम बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश, उद्योग और रोजगार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश का युवा केवल नौकरी खोजने वाला न बने, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बने। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे कृषि-टेक्नोलॉजी, चिकित्सा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित सभी आधुनिक और नवाचार वाले क्षेत्रों में दक्षता हासिल करें और देश-प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें।

राज्य की उपलब्धियां गिनाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रदेश में सिंचाई के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और आगामी पांच वर्षों में प्रदेश का बजट दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल के तहत अधिक से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं, जिससे नीट उत्तीर्ण छात्रों के माध्यम से प्रदेश में चिकित्सकों की संख्या बढ़ाई जा सके। उन्होंने बताया कि टेक्सटाइल उद्योग की स्थापना पर प्रति श्रमिक प्रतिमाह 5 हजार रुपये की सहयोग राशि दी जाएगी, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। युवाओं के हित में विशेष प्रावधान राज्य सरकार की नीतियों में शामिल किए गए हैं।

26 जनवरी के बाद होगी एक और प्रशासनिक सर्जरी

कुछ संभागायुक्त के साथ बदलेंगे कई जिलों के कलेक्टर

भोपाल । संभाग पोस्ट

सरकार ने 18 जनवरी को 29 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। इसके बाद प्रदेश में एक और प्रशासनिक सर्जरी की जाएगी। इसमें कुछ संभागायुक्त के साथ दर्जनभर जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे। गौरतलब है कि 21 जनवरी को मुख्य सचिव अनुराग जैन कलेक्टर-कमिश्नर कॉफ्रेंस करने जा रहे हैं। इस बैठक के बाद कुछ मैदानी अधिकारियों को बदले जाने की संभावना है। यह भी संभावना है कि 26 जनवरी की वजह से तबादला सूची में कुछ वक्त लग सकता है। मंत्रालय और विभागाध्यक्ष स्तर पर भी अधिकारियों के तबादले होंगे। जिसमें आयुक्त महिला बाल विकास निधि निवेदिता से अन्य विभाग वापस लिए जाएंगे। 2010 बैच सचिव पदोन्नत हो गया है। इस बैच के अधिकारी भी प्रभावित होंगे। सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव की कलेक्टर-कमिश्नर कॉफ्रेंस के बाद अधिकारियों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उस रिपोर्ट के बाद प्रदेश सरकार बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करेगी। जिसमें एक दर्जन करीब जिलों के जिलाधीश भी बदले जा सकते हैं। इस फेरबदल में भोपाल जिलाधीश कौशलेंन्द्र विक्रम सिंह, धार के प्रियंक मिश्रा से लेकर रीवा, ग्वालियर, मैहर, नर्मदापुरम, झाबुआ जिले की महिला जिलाधीश को बदले जाने की संभावना है। साथ ही 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने का सिलसिला शुरू होगा। जिसमें मुख्य सचिव कार्यालय में पदस्थ दो अधिकारी गुरुप्रसाद और डीके नागेन्द्र को इस साल कलेक्टरी मिलना तय है। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार मैदानी अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर शासन स्तर पर मंथन हो चुका है। तबादलों में तीन संभागायुक्त भोपाल, ग्वालियर, रीवा को बदला जा सकता है। भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सचिव पदोन्नत हो गए हैं। उन्हें भोपाल संभागायुक्त बनाया जा सकता है या फिर मुख्यमंत्री कार्यालय में वापसी हो सकती हैं।

2017 बैच को मिलेगी कलेक्टरी

2017 बैच के कलेक्टर बनने वाले अधिकारियों में सिसोनिया का भी नाम था। इसी बैच के गुरुप्रसाद, डीके नागेन्द्र, सुश्री अंजु अरुण कुमार, अभिलाश मिश्रा, कुमार सत्यम, सौरभ सोनवाने, योगेश तुकारात और राहुल नामदेव को इस साल कलेक्टरी मिल सकती है। इंदौर दूषित पानी मामले में सरकार ने आईएएस रोहित सिसोनिया को निलंबित किया है। वहीं 17 जिलों में पदस्थ महिला कलेक्टरों में से कुछ को टिया जा सकता है। अस समय रुचिका चौहान ग्वालियर, ऊषा परमार पन्ना, प्रतिभा पाल रीवा, रजनी सिंह नरसिंहपुर, सोनिया मीणा नर्मदापुरम, शीतला पटने सिवनी, नेहा मीणा झाबुआ, रिजु बाफना शाजापुर, भव्या मित्तल खरगोन, रानी बातड़ मैहर, नीतु माथुर आलीराजपुर, अंजु पवन भदौरिया डिंडौरी, जमुना भिंडे निवाड़ी, अदिति गर्ग मंदसौर, जयति सिंह बड़वानी, प्रीति यादव आगर-मालवा और मिशा सिंह रतलाम कलेक्टर हैं। इनमें से रुचिका चौहान, प्रतिभा पाल, सोनिया मीणा, नेहा मीणा, जमुना भिड़े को बदला जा सकता है।

टोल प्लाजा पर अब नहीं चलेगा नकद, 1 अप्रैल से केवल फास्टैग और यूपीआई से ही होगी एंट्री

भोपाल । संभाग पोस्ट

देश के हाइवे पर यात्रा का तरीका बदलने जा रहा है. हाईवे जर्नी को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में सरकार ने एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। 1 अप्रैल से देश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। अब टोल टैक्स सिर्फ फास्टैग या यूपीआई के जरिए ही चुकाया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से न सिर्फ यात्रा आसान होगी, बल्कि समय, फ्यूल और पैसे की भी बचत होगी।

टोल प्लाजा से खत्म होगा कैश लेन

इस फैसले के बाद देशभर के टोल प्लाजा पर कैश लेन पूरी तरह बंद हो जाएंगे। इससे मैन्युअल वसूली के कारण लगने वाली लंबी कतारों से राहत मिलेगी। सरकार का कहना है कि कैशलेस टोलिंग से सिस्टम ज्यादा फास्ट, ट्रांसपैरेंट और भरोसेमंद बनेगा। अब भी कई लोग फास्टैग होने के बावजूद कैश लेन का इस्तेमाल करते थे, जिससे खासकर त्योहारों और पीक आवर्स में जाम की स्थिति बनती थी। सरकार ने एमएलएफएफ

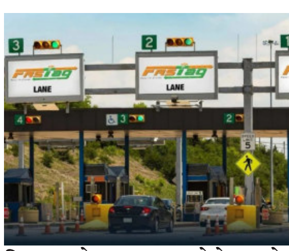

सिस्टम के पायलट प्रोजेक्ट के लिए देशभर में 25 टोल प्लाजाओं को चिन्हित किया है। यहां इस नई तकनीक को लागू करने से पहले नियमों और यात्रियों के अनुभवों की जांच की जाएगी। इसके बाद इस सिस्टम को पूरे देश में लागू करने की योजना है। इससे जाम खत्म होगा, ट्रैवेल टाइम घटेगा और प्रदूषण में भी कमी आएगी। सरकार ने यात्रियों से अपील की है कि वे 1 अप्रैल से पहले अपना फास्टैग एक्टिव रखें और उसमें पर्याप्त बैलेंस सुनिश्चित करें, या यूपीआई भुगतान के लिए तैयार रहें। कैशलेस टोलिंग और बैरियर-फ्री हाईवे का यह कदम भारत की सडक़ यात्रा को पूरी तरह बदलने वाला है। आने वाले समय में टोल प्लाजाओं पर किसी तरह का कोई जाम नहीं लगेगा।

फ्यूल और टाइम बचत

टोल प्लाजा पर बार-बार रुकने से गाडियों का फ्यूल ज्यादा खर्च होता है और ड्राइवरों को भी थकान होती है। वी. उमाशंकर के मुताबिक हर बार रुकने और फिर गाड़ी चलाने में समय और डीजल दोनों की बर्बादी होती है। लंबी दूरी की यात्रा में यह नुकसान और बढ़ जाता है। कैशलेस सिस्टम से यह समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

बैरियर-फ्री टोलिंग तैयारी

कैशलेस टोल का यह फैसला भविष्य की एक बड़ी योजना की तैयारी भी माना जा रहा है। सरकार जल्द ही मल्टी लेन फ्री फ्लो यानी एमएलएफएफ टोलिंग सिस्टम लागू करने जा रही है। इस सिस्टम में टोल प्लाजा पर कोई बैरियर नहीं होगा और वाहन बिना रुके हाईवे पर फर्राटा भरते हुए निकल सकेंगे। टोल शुल्क अपने आप फास्टैग और व्हीकल आइडेंटिफिकेशन सिस्टम के जरिए कट जाएगा।

सोना-चांदी हुए आउट ऑफ कंट्रोल!

48 घंटे में 32,000 उछली चांदी, सोने ने तोड़े अब तक के सारे रिकॉर्ड

■ **नई दिल्ली । संभाग पोस्ट**

हैदराबाद कमोडिटी बाजार में सोना और चांदी की कीमतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं. बीते कुछ कारोबारी सत्रों से दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है. खासतौर पर चांदी ने निवेशकों को चौंका दिया है. हालात ऐसे हैं कि महज दो कारोबारी दिनों में ही चांदी की कीमत में 32 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक का उछाल दर्ज किया गया है. वहीं, सोना भी नई ऊंचाइयों को छूते हुए लगातार रिकॉर्ड बना रहा है.

चांदी में ऐतिहासिक तेजी

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर चांदी की कीमतों ने नया लाइफ टाइम हाई बना लिया है. बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 1 किलोग्राम चांदी का वायदा भाव 2,87,762 रुपये पर बंद हुआ था. इसके बाद सप्ताह की शुरुआत होते ही चांदी की रफ्तार और तेज हो गई. मंगलवार को बाजार खुलते ही चांदी का भाव 3,19,949 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है. इस तरह महज दो कारोबारी दिनों में चांदी की कीमत में 32,187 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई. खबर लिखे जाने तक शेयर पर चांदी करीब 7,000 रुपये की तेजी के साथ कारोबार कर रही थी.

सोना भी दिखा मजबूत

चांदी के साथ-साथ सोने की चमक भी फीकी पड़ने का नाम नहीं ले रही है. शेयर पर सोने के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी देखने को मिली. मंगलवार को कारोबार की शुरुआत में गोल्ड रेट अपने पिछले बंद भाव 1,45,639 रुपये प्रति 10 ग्राम के मुकाबले हल्की गिरावट के साथ 1,45,500 रुपये पर खुला था, लेकिन शुरुआती कमजोरी ज्यादा देर नहीं टिक स्की. कुछ ही समय में सोने ने जोरदार वापसी की और नया लाइफ टाइम हाई बना लिया. दो कारोबारी दिनों में 5 फरवरी की एक्सपायरी वाले 24 कैरेट सोने (10 ग्राम) की कीमत में 5,479 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को सोना 1,42,517 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था.

ग्लोबल टेंशन ने बढ़ाई कीमतें

सोना-चांदी की कीमतों में जारी इस तेज उछाल के पीछे अंतरराष्ट्रीय कारण अहम भूमिका निभा रहे हैं. अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक बार फिर टैरिफ को लेकर सख्त बयानबाजी किए जाने से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ गई है. ट्रेड वॉर और जियो-पॉलिटिकल टेंशन की आशंका के बीच निवेशक जोखिम भरे एसेट्स से दूरी बनाकर सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं.

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है, जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं, हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

■ समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
■ ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
■ ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
■ हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
■ हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
■ जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
■ यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
■ अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
■ हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें
क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार
सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते
भारत माता की जय वंदे मातरम

बड़वाह में देह व्यापार के अड्डे पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

सेक्स रैकेट चलाने वाली महिला और ग्राहक गिरफ्तार

■ **बड़वाह। संभाग पोस्ट**

बड़वाह (संवाददाता)। स्थानीय पुलिस ने नगर में चल रहे अनैतिक देह व्यापार के एक अड्डे का पर्दाफाश किया है। रविवार (18 जनवरी) को मुखबिर से मिली सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने डालुका मार्केट स्थित एक किराये के मकान पर दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने मौके से सेक्स रैकेट संचालित करने वाली महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी बलराम सिंह राठौर ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना दी गई थी कि नगर के डालुका मार्केट

डालुका मार्केट में किराये के मकान में चल रहा था अनैतिक कृत्य, मोबाइल और नगदी जब्त

इलाके में एक किराये के मकान में संदिग्ध गतिविधियाँ चल रही हैं और वहां देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना की तस्दीक होते ही पुलिस टीम ने उक्त मकान पर छापा मारा।

आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवती पुलिस की छापामार कार्रवाई के दौरान मौके से सनावद निवासी एक महिला और बेड़िया निवासी एक पुरुष को आपत्तिजनक अवस्था में पकड़ा गया। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि पकड़ी गई महिला ही इस रैकेट की मुख्य संचालिका है। वह बाहर से लड़कियों को बुलाकर किराये के मकान में जिस्मफरोशी का धंधा संचालित करवा रही थी। पुलिस ने मौके से मोबाइल फोन, नगद राशि और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

सकल हिन्दू समाज संघठित रहे-सूर्यदेव महाराज

■ **बड़वाह। संभाग पोस्ट**

हिन्दू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने हेतु सर्व हिन्दू समाज द्वारा सनातन संस्कृति सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के प्रति विशाल हिन्दू सम्मेलन की जरुरत इसलिए हुई है,की हमारी सभी उपजातियों की संस्कृति एक है।धर्म एक है,फिर हम बटे हुए क्यों है क्या वजह है जात-पात की भावनाये यह भेदभाव ख़त्म होना चाहिए,तभी सकल हिन्दू समाज मजबूत होगा और देश परम् वैभव को प्राप्त होगा।यह बात हिन्दू धर्म के क्रांतिकारी संत सूयदेव महाराज ने कही व सकल हिन्दू सम्मेलन के मुख्य वक्ता थे। संघ कारवा राकेश गुप्ता ने पंच कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्हें हमरी नित्य जीवन मे उतारने का सन्देश दिया।मुख्य आयोजन शासकीय महाविद्यालय प्रांगण मे सुबह 11 बजे से प्रारम्भ हुआ।कार्यक्रम के प्रारम्भ मे भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुवात करते हुए,हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।मुख्य अतिथियों का शाल श्रीफल से कार्यक्रम संयोजक टीसी गोखले ने स्वागत सम्मान कर स्वागत भाषण दिया।मंचाशीन समाज प्रमुखो का दुपट्टा डालकर स्वागत किया गया।श्री राम एवं माधव बस्ती से बैंड बाजे से विशाल चल समारोह निकाला गया।चल समारोह मे युवक युवतियों सहित बड़ी सख्या मे महिलाओ ने शिरकत की भगवान श्रीमान के जयघोष से पंडाल गूंज उठा। इस अवसर पर भाजपा नेता जितेंद्र सुराणा,सर्व समाज जनसेवक संघठन के संभागीय अध्यक्ष डॉ.एन.एस.सोलंकी,हिन्दू नेता परमजीतसिंह भाटिया,दीपक खांडेलवाल,राजेश राठौड़,वैभव जोशी,बीआर सांवले,पीएल भालसे,धर्मेंद्र व्यास,सेवाराम टैगोर,ओपी बिल्लोरे,अशोक भालसे,केएल गोखले,बाला पटेल,सूरज गौड़ विजय चौहान,राजा सोलंकी, विजय वर्मा सहित बड़ी संख्या मे धर्म प्रेमी जनता मौजूद थी।कार्यक्रम के पश्चात् सामूहिक भोज का हुआ।कार्यक्रम का संचालन सह-संयोजक लक्ष्मीचंद अमई ने किया व आभार केलाश इटारे ने माना।

इंदौर में पहली बार: उद्योगपतियों के लिए खुलेगा 'एस्ट्रो बिजनेस न्यूमेरोलॉजिस्ट' शिल्पा बागरेचा के बिजनेस रहस्यों का राज

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में पहली बार, उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों और व्यापारियों के लिए एक विशेष 'बिजनेस न्यूमेरोलॉजी एंड 2026 प्रॉफिट ब्लूप्रिंट' सर्टिफिकेशन वर्कशॉप का आयोजन होने जा रहा है? इस एक दिवसीय गहन प्रशिक्षण शिविर का नेतृत्व देश की विख्यात एस्ट्रो बिजनेस न्यूमेरोलॉजिस्ट शिल्पा बागरेचा (MSMBL™ GURU) करेंगी?

सफलता का वैज्ञानिक मार्ग: एस्ट्रो बिजनेस न्यूमेरोलॉजी

शिल्पा बागरेचा, जिनके पास 13 वर्षों का अनुभव और 50,000 से अधिक परामर्शों का रिकॉर्ड है, इस वर्कशॉप में सिखाएंगी कि कैसे व्यापार के अंक आपकी सफलता को प्रभावित करते हैं? उनका कहना है कि 2026 एक उच्च-परिवर्तनकारी वर्ष है; यदि आपके बिजनेस नंबर सही ढंग से संरेखित (Align) हैं, तो लाभ में अभूतपूर्व वृद्धि संभव है?

वर्कशॉप के मुख्य आकर्षण

बिजनेस फाउंडेशन: मालिक का डेस्टिनी नंबर और बिजनेस स्ट्रेंथ चार्ट तैयार करना।

प्रॉफिट फॉर्मूला: मनी ब्लॉक कोड्स को हटाना और कस्टमर अट्रैक्शन फ्रीक्वेंसी को समझना।

प्रैक्टिकल टूल्स: लकी बिजनेस नाम, मोबाइल नंबर, और बैंक अकाउंट नंबर का सही चुनाव।

ब्रांड लोगो डिकोडिंग: टाटा, रिलायंस और एप्पल जैसे बड़े ब्रांड्स की सफलता के पीछे के रंगों और प्रतीकों का लाइव विश्लेषण।

मिलियनेयर सिग्नेचर: वह विशेष स्ट्रोक जो बड़े उद्योगपतियों और हस्तियों द्वारा धन और स्थिरता के लिए उपयोग किया जाता है।

इवेंट की जानकारी और रजिस्ट्रेशन

यह विशेष आयोजन 1 मार्च 2026 को इंदौर के प्रसिद्ध होटल बेस्ट वेस्टर्न प्लस में आयोजित होगा? वर्कशॉप का समय सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा और यह ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों माध्यमों में उपलब्ध है।

दिनांक: 1 मार्च 2026
स्थान: बेस्ट वेस्टर्न प्लस, इंदौर
मुख्य वक्ता: शिल्पा बागरेचा (एस्ट्रो बिजनेस न्यूमेरोलॉजिस्ट)
संपर्क: 7999940919
वेबसाइट:
www.theshilpabagrechamsmblguru.com

प्रतिभागियों को वर्कशॉप के बाद बिजनेस न्यूमेरोलॉजी प्रैक्टिशनर - लेवल 1 का सर्टिफिकेट , '2026 पर्सनल बिजनेस प्रॉस्पेरिटी रिपोर्ट' निशुल्क प्रदान की जाएगी।

APPLIED FORENSIC SCIENCE LABORATORY
Email: afslindore23@gmail.com Mobile No: +91 9366381689 +91 9977649317
SERVICES
• Handwriting Examination.
• Signature Examination.
• Fingerprint Examination.
• Deleted Data Recovery from Mobile Phones, Hard Drive.
• Laptop, Desktop Computer, Pen drive.
• Complete Examination of Digital Instrument i.e. Mobile.
• phones, Laptop, Desktop Computers, in case of Hacking.
• Voice Analysis and Voice Comparison.
• Examination of Alteration in any Documents.
• Examination of Erased Writing.
• Examination of Audio Clips and Video Clips.
• Preparation of Fingerprint Records for Corporate Offices.
• Examination of Arson Cases.
• DNA Examination for Paternity and Maternity.
• Forensic Consultancy.
• Forensic Investigation of Insurance Claims.
• Property Investigation.
• Crime Scene Investigation.
• Audio Transcription.
FORENSIC EXPERT
Rakesh Mia
+91 93663 81689
Vijay Panchal
+91 9977649317
Head Office
Applied Forensic Science Laboratory
8/1, 2nd foor, Moti Tabela, Near
Collectorate Office, Indore, MP, 452007
Branch Office
Chandra Forensic Science
lab
Chandigarh/New Delhi

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो.

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

रेलवे विशेषज्ञों ने कहा-कोटा रूट से चलाए हिसार तक ट्रेन, इंदौर-नई दिल्ली मार्ग में बदलाव न करें

■ इंदौर । संभाग पोस्ट
इंदौर और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले लोगों का सफर आसान करने वाली इंदौर-दिल्ली त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस (20957/58) के समय, रुट और स्टेशन में परिवर्तन किया है। इंदौर से दिल्ली के बीच चलने वाली यह ट्रेन आने और जाने के समय के लिहाज से दूसरी ट्रेनों की तुनला में सुविधाजनक है, लेकिन अब यात्रियों को परेशान होना पड़ेगा।

अब यह ट्रेन नई दिल्ली स्टेशन जाने के बजाए सफदरगंजह होते हुए हिसार तक जाएगी। इंदौर के यात्रियों को नई दिल्ली स्टेशन तक अब दूसरे साधनों से जाना पड़ेगा। इस बदलाव को लेकर रेलवे विशेषज्ञों ने आपत्ति दर्ज कराई है। वहीं, इंदौर सांसद शंकर लालवानी भी इस मामले में रेलवे के उच्च अफसरों से मिलकर ट्रेन में कोई बदलाव न किए जाने की मांग करेंगे।

रेलवे सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य नागेश नामजोशी का कहना है कि डेढ़ साल पहले भी इस ट्रेन के रुट में बदलाव की कवायद रेलवे ने शुरू की थी, लेकिन तब हमारे विरोध के कारण बदलाव नहीं हो पाया। इंदौर से दिल्ली जाने का इस ट्रेन की टाइमिंग इतनी अच्छी है कि ज्यादातर यात्री इस ट्रेन से यात्रा पसंद करते है। इसके अलावा इंदौर तक यह ट्रेन सुबह आ जाती है। यह ट्रेन दिल्ली से हिसार तक लोकल ट्रेन की तरह चलेगी। इस कारण इसमें देरी भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि इंदौर से हिसार की तुलना में इंदौर से नई दिल्ली जाने वाले यात्रियों की संख्या ज्यादा है। इंदौर से हिसार तक कोटा वाले रूट से ट्रेन चलाई जाना चाहिए। इंदौर-दिल्ली त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस में बदलाव करने की आवश्यकता नहीं है।

रेलवे के सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य जगमोहन वर्मा ने कहा कि इंदौर-दिल्ली त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन के रुट में बदलाव नहीं होना चाहिए। इस ट्रेन का समय दूसरी ट्रेनों की तुलना में ज्यादा बेहतर है। बदलाव से यात्री तो परेशान होंगे और ट्रेन भी समय पर नहीं आएगी।

जानें क्या-क्या परिवर्तन किए गए?

रेलवे ने इंदौर-दिल्ली त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस के मौजूदा रूट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। अब यह ट्रेन सिर्फ दिल्ली के बजाए रोहतक और महम होते हुए हिसार तक जाएगी। इस बदलाव का फायदा हिसार और रोहतक के लोगों को होगा। वहां से इंदौर के लिए अब तक कोई सीधी ट्रेन नहीं थी। हालांकि, दिल्ली जाने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। अब यह ट्रेन नई दिल्ली स्टेशन के बजाय दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर रुका करेगी। इस ट्रेन के नए शेड्यूल की बात करें तो यह गाड़ी (20957) हर बुधवार, शुक्रवार और रविवार को शाम 4.45 बजे चलेगी। अगले दिन सुबह 4.52 बजे यह दिल्ली सफदरजंग पहुंचेगी और फिर शकूरबस्ती व रोहतक होते हुए सुबह 9.20 बजे हिसार पहुंच जाएगी। वापसी में हिसार से यह ट्रेन (20958) हर सोमवार, गुरुवार और शनिवार को दोपहर 1.20 बजे रवाना होगी। शाम 6.15 बजे यह दिल्ली सफदरजंग पहुंचेगी और अगले दिन सुबह 6.45 बजे वापस इंदौर आ जाएगी।

अमृत पैलेस कॉलोनी में जोर-शोर से हुआ भूमि पूजन, एक वर्ष बाद भी सड़क अधूरी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के निपानिया क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 36 की सबसे पुरानी एवं बड़ी कॉलोनियों में शामिल अमृत पैलेस कॉलोनी के रहवासी लंबे समय से सड़क निर्माण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कई वर्षों के इंतजार के बाद 27 अप्रैल 2025 को सड़क निर्माण का भूमि पूजन बड़े जोर-शोर से किया गया था, जिसमें कॉलोनी के रहवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया था। भूमि पूजन के दौरान शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण के आश्वासन दिए गए थे।

हालांकि, भूमि पूजन को लगभग एक वर्ष का समय बीतने के बावजूद सड़क निर्माण कार्य अब तक अधूरा पड़ा हुआ है। ठेकेदार द्वारा सड़क को जगह-जगह खोदकर छोड़ दिया गया है, जिससे रहवासियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

कॉलोनीवासियों का कहना है कि इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति और लापरवाही से रहवासी निराश और आक्रोशित हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़क निर्माण कार्य के ठेकेदार नेमीचंद हैं तथा भूमि पूजन के अवसर पर संबंधित इंजीनियर सिद्धार्थ भी उपस्थित थे। रहवासियों की मांग है कि अधूरे पड़े सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि उन्हें बुनियादी सुविधा का लाभ मिल सके।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए और सड़क निर्माण कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर इंदौर ने प्रत्येक आवेदक से किया संवाद...

नागरिकगण की समस्याओं के त्वरित निदान हेतु, संबंधित को दिए तत्काल कार्यवाही कर समय सीमा में निराकरण के दिशा निर्देश

■ इंदौर । संभाग पोस्ट
मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों का निराकरण करनें एवं समस्याओं का त्वरित समाधान करनें के लिए प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती हैं। जिसके तारतम्य में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा आज दिनांक 20.01.26 को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई में आमजन की शिकायत एवं समस्याओं को सुना तथा त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दियें। जनसुनवाई के दौरान आज 57 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमे प्रमुख रूप से पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेनदेन, फाइनेंशियल फ्रॉड, सुनवाई न होने, प्लाट/ जमीन की धोखाधड़ी संबंधी विवाद, महिला अपराध संबंधी एवं अन्य पुलिस से संबंधित समस्याओं लेकर आमजन आए। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक आवेदक के साथ संवाद कर, उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तत्काल कार्यवाही करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। साथ ही नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और हितों के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर है। इस दौरान अति पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) इंदौर श्री अमित सिंह एवं सभी ज़ोन के अन्य अधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार संबंधित आवेदकों की समस्याओं विस्तार पूर्वक सुन कार्यवाही की गई।

23 जनवरी को बसंत पंचमी और जुमा एक साथ

CRPF के 8 हजार जवान होंगे तैनात, धार में प्रशासन अलर्ट

■ इंदौर । संभाग पोस्ट
'बसंत पंचमी' हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है. इसे सरस्वती पूजा के तौर भी मनाया जाता है. इस बार ये त्योहार 23 जनवरी को मनाया जाएगा. इस दिन शुक्रवार पड़ रहा है. मध्य प्रदेश की 'अयोध्या' कहे जाने वाले धार में इसके लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं. जिला प्रशासन ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए व्यवस्था की है.

दोनों पक्षों से प्रशासन बातचीत कर रहा

'बसंत पंचमी' और जुमे की नमाज एक ही दिन होने से प्रशासन हरकत में आ गया है. पिछले रिकॉर्ड की बात करें तो साल 2006, 2013, 2016 के बाद अब 2026 में शुक्रवार के दिन बसंत पंचमी पड़ रही है. दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के मुताबिक पहले तीन मौकों पर आगजनी, पथराव और कर्फ्यू जैसी स्थिति देखने को मिली थी. इस बार इस तरह की नौबत ना हो, इसके लिए प्रशासन हिंदू और मुस्लिम पक्ष से बातचीत कर रहा है.

CRPF के 8 हजार जवान तैनात किए जाएंगे

धार में व्यवस्था बने रहे, इसके लिए जिला प्रशासन ने कई सुरक्षा इंतजाम किए हैं. पुलिस के 2000 जवानों ने रविवार को शहर में फ्लैग मार्च निकाला. ड्रोन और कैमरों से निगरानी रखी जाएगी. पूरे शहर में 1000 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे. जिले में पुलिस के 2435 कर्मचारी और अधिकारी तैनात रहेंगे. इसके साथ ही पैंइ के 8000 जवान मोर्चा संभालेंगे.

'बसंत पंचमी' को धार में विवाद स्थिति क्यों बनती है?

धार में भोजशाला है जिसे राजा भोज ने बनवाया था. यहां एक वाग्देवी यानी सरस्वती देवी की प्रतिमा थी, जिसे अंग्रेज बाद में लंदन ले गए.

हिंदू पक्ष इसे सरस्वती सदन या सरस्वती मंदिर मानता है.

वहीं मुस्लिम पक्ष इसे मस्जिद मानता है.

कोर्ट ने भोजशाला में पूजा और नमाज के लिए दिन तय कर दिया है.

जहां मंगलवार को हिंदू पक्ष पूजा करता है. इसे सूर्योदय से सूर्यास्त तक तय किया गया.

शुक्रवार का दिन नमाज के लिए तय किया गया है.

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948